

IAS



PSC

An honest effort since 2004

# BPSC

बिहार लोक सेवा आयोग

# समाजशास्त्र

मुख्य परीक्षा

पाठ्यक्रम



OFFICE: 704, Ground Floor, Main Road, Front of Batra Cinema, Mukherjee Nagar, Delhi-09  
PH. 7428092240, 9312511015



**BPSC**

**समाजशास्त्र / SOCIOLOGY**

**पाठ्यक्रम / Syllabus**

**खण्ड - I : सामान्य समाजशास्त्र  
(Section-I : General Sociology)**

1. सामाजिक घटनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन- समाजशास्त्र का आविर्भाव, अन्य शिक्षा शाखाओं से इनका सम्बन्ध, उनका क्षेत्र विस्तार एवं संबंधित धारणाएँ, विज्ञान एवं सामाजिक व्यवहार का अध्ययन, यथार्थता, विश्वसनीयता एवं वैधिकता की समस्याएँ, वैज्ञानिक विधि एवं वैज्ञानिक भाषा, उनका अर्थ उद्देश्य, प्रकार तत्व एवं विशेषताएँ, सामाजिक अनुसंधान संरचना, तथ्य संकलन एवं तथ्य विश्लेषण की विधियाँ, अभिवृत्ति मापन समस्याएँ एवं तकनीकी शैली (स्केल्स), आर.एम. मैकाइवर की कार्य कारण अवधारणा।

**Scientific study of social phenomena-** The emergence of sociology, their relation to other branches of education, their scope and related concepts, study of science and social behaviour, problems of accuracy, reliability and validity, scientific method and scientific language, their meaning and purpose, Types, Elements and Characteristics, Social Research Structure, Methods of Data Collection and Fact Analysis, Attitude Measurement Problems and Technological Styles (Scales), Cause Concept of RM MacIver.

2. समाजशास्त्र के क्षेत्र में पथ-प्रदर्शक- योगदान, सैद्धान्तिक प्रारम्भ एवं विकासवाद के सिद्धान्त, काम्ट, स्पेन्सर तथा मार्गन, ऐतिहासिक समाजशास्त्र कार्ल मार्क्स, मैक्स बेबर एवं पी.ए. सरोकिन, प्रकार्यवाद ई. दुर्खाइम, परेटो, पार्सन्स एवं मर्टन, संघर्षवादी सिद्धान्त, गुम्प्लोविज, डहरेन डार्फ एवं कोजर, समाजशास्त्र के आधुनिक विचारधाराएँ, सम्पूर्णालक एवं अल्पार्थक समाजशास्त्र, मध्यम स्तरीय सिद्धान्त, विनियम सिद्धान्त।

**Pioneers in the field of Sociology-** Contribution, Theoretical Beginnings and Theory of Evolution, Spencer and Morgan, Historical Sociology, Karl Marx, Max Beber and Pevm Srokin, Functionalism E. Durkheim,

Pareto, Parsons and Merton, Conflict Theory, Gumplovitz, Dahrendorf and Kozer, Modern Schools of Sociology, Absolutistic and Reducing Sociology, Medium Level Theory, Regulation Theory.

3. सामाजिक संरचना एवं सामाजिक संगठन- अवधारणा एवं प्रकार, सामाजिक संरचना सम्बन्धित विचारधाराएँ, संरचना प्रकार्यवादी, मार्क्सवादी सिद्धान्त, सामाजिक संरचना के तत्व, व्यक्ति एवं समाज, सामाजिक अन्तर्क्रिया, सामाजिक समूह अवधारणाएँ एवं प्रकार, सामाजिक स्तर एवं भूमिका, उनके निर्धारक एवं प्रकार, सरल एवं संकूल समाजों में भूमिका के विभिन्न परिमाण, भूमिका संघर्ष, सामाजिक जाल, अवधारणा एवं प्रकार, संस्कृति एवं व्यक्तित्व अनुरूपता एवं सामाजिक नियंत्रण की अवधारणा, सामाजिक नियंत्रण के साधन, अल्पसंख्यक समूह, बहुसंख्यक एवं अल्पसंख्यक सम्बन्ध।

**Social Structure and Social Organization-** Concepts and Types, Ideologies Related to Social Structure, Structural Functionalism, Marxist Theory, Elements of Social Structure, Individuals and Society, Social Interaction, Social Group Concepts and Types, Social Levels and Roles, Their Determinants and Types, Different dimensions of role in simple and complex societies, role conflict, social network, concept and type, culture and personality conformity and concept of social control, means of social control, minority group, majority and minority relations.

4. सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता- सामाजिक स्तरीकरण के अवधारणा, प्रभाव एवं प्रकार, असमानता एवं स्तरीकरण, स्तरीकरण के आधार एवं परिमाण, स्तरीकरण सम्बन्धी विचारधाराएँ, प्रकार्यवाद एवं संघर्षवाद विचारधाराएँ, सामाजिक स्तरीकरण एवं सामाजिक गतिशीलता, संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण, गतिशीलता के प्रकार, अर्न्तपीढ़ी गतिशीलता, उदग्र गतिशीलता बनाम क्षैतिज गतिशीलता, गतिशीलता के प्रतिरूप।

**Social stratification and mobility-** Concepts of social stratification, effects and

types, inequality and stratification, basis and magnitude of stratification, ideologies related to stratification, functionalism and struggle ideology, social stratification and social mobility, culturization and westernization, types of mobility, intergenerational Mobility, upward mobility vs. horizontal mobility, patterns of mobility.

5. **परिवार, विवाह एवं नातेदारी-** संरचना, प्रकार्य एवं प्रकार, सामाजिक परिवर्तन एवं आयु तथा स्त्री-पुरुष भूमिकाओं में परिवर्तन, विवाह, परिवार एवं नातेदारी में परिवर्तन, प्राद्योगिक समाज में परिवार का महत्व।  
**Family, Marriage and Kinship-** Structure, Functions and Types, Social Changes and Age and Change in Male and Female Roles, Marriage, Change in Family and Kinship, Importance of Family in Industrial Society.
6. **औपचारिक संगठन-** औपचारिक तथा अनौपचारिक संगठनों के तत्व, नौकरशाही प्रकार्य, अकार्य एवं विशेषताएँ, नौकरशाही एवं राजनैतिक विकास, राजनैतिक, सामाजिक एवं राजनैतिक सहभागिता, सहभागिता के विभिन्न रूप, सहभागिता के लोकतांत्रिक तथा सत्तात्मक स्वरूप, स्वैच्छित मण्डली।  
**Formal organization-** Elements of formal and informal organisations, bureaucratic functions, functions and characteristics, bureaucratic and political development, political, social and political participation, various forms of participation, democratic and authoritarian forms of participation, voluntary congregation.
7. **आर्थिक प्रणाली-** सम्पत्ति की अवधारणाएँ, श्रम विभाजन के सामाजिक प्रतिमाण, विनियम के विभिन्न प्रकार, पूर्व औद्योगिक एवं औद्योगिक अर्थ व्यवस्था का सामाजिक पक्ष, औद्योगिकीकरण तथा राजनीतिक, शैक्षिक, धार्मिक, पारिवारिक स्परविन्यासी क्षेत्रों में परिवर्तन, आर्थिक विकास के निर्धारक तत्व एवं उनके परिणाम।  
**Economic System-** Concepts of property, Social model of division of labour, Different types of regulation, Social aspect of pre-industrial and industrial economy, Industrialization and change in political, educational, religious, family-constitutional areas, determinants of economic development and their results.
8. **राजनीतिक व्यवस्था-** राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा, तत्व एवं प्रकार, राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार्य, राजनीतिक व्यवस्था के अन्तर्गत समस्याएँ,

व्यक्ति समूह, राजनीतिक संगठनों, राजनीतिक दल एवं अन्य साधनों के संदर्भ में राजनीतिक प्रक्रियाएँ, शक्ति प्राधिकार एवं वैधता की अवधारणाएँ, आधार एवं प्रकार, राज्यविहीन समाज की परिकल्पना, राजनीतिक समाजीकरण बनाम राजनीतिक भागीदारी, राज्य की विशेषताएँ, प्रजातंत्रात्मक एवं सत्तात्मक राजनीतिक व्यवस्था के अन्तर्गत सभ्रान्त वर्ग एवं जनसमूह की शक्ति, राजनीतिक दल एवं मतदान, नायकत्व, प्रजातांत्रिक व्यवस्था एवं प्रजातांत्रिक स्थिरता।

**Political System-** Concept, Elements and Types of Political System, Functions of Political System, Problems under Political System, Political Processes with respect to Individual Groups, Political Organizations, Political Parties and other means, Concepts of Power, Authority and Legitimacy, Basis and types, concept of stateless society, political socialization versus political participation, characteristics of state, power of elite class and masses under democratic and authoritarian political system, political parties and voting, heroism, democratic system and democratic stability.

9. **शैक्षिक प्रणाली-** शिक्षा की अवधारणा एवं उद्देश्य, शिक्षा पर प्रवृत्तिवाद, आदर्शवाद एवं पाण्डित्यवाद के प्रभाव, समाज, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, प्रजातंत्र व्यवस्था एवं राष्ट्रवाद के सन्दर्भ में शिक्षा का महत्व, शिक्षा के नये झुकाव, शिक्षा एवं समाजीकरण में विभिन्न साधन, परिवार, विद्यालय, समाज, राज्य एवं धर्म की भूमिका, जनसंख्या शिक्षा अवधारणा एवं तत्व, सांस्कृतिक पुनर्जन्म, सैद्धान्तिक मतारोपन, सामाजिक स्तरीकरण, गतिशीलता एवं आधुनिकीकरण के साधन के रूप में शिक्षा की भूमिका।

**Educational system-** Concept and purpose of education, trend of education, effect of idealism and pedantry, importance of education in the context of society, international relations, democracy and nationalism, new inclinations of education, various means in education and socialization, family, Role of school, society, state and religion, Population education concepts and elements, Cultural rebirth, Theoretical adoption, Social stratification, Role of education as a means of mobility and modernization.

10. **धर्म-** धार्मिक तथ्य, पावन एवं अपावन की अवधारणाएँ, धर्म का सामाजिक प्रकार्य एवं अकार्य, जादू-टोना, धर्म एवं विज्ञान, धर्मनिरपेक्षीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन।

**Religion** - Religious facts, concepts of sacred and impure, social functions and non-functions of religion, witchcraft, religion and science, secularization and social change.

11. **सामाजिक परिवर्तन एवं विकास-** सामाजिक परिवर्तन के आर्थिक, जैविक एवं प्रौद्योगिक कारक, सामाजिक परिवर्तन के विकासवादी प्रकार्यवाद एवं संघर्षवाद सिद्धान्त, सामाजिक परिवर्तन, आधुनिकीकरण एवं उन्नति, प्रजातांत्रिकरण, समानता एवं सामाजिक न्याय, सामाजिक पुनर्निर्माण।

**Social Change and Development-** Economic, biological and technological factors of social change, evolutionary functionalism and conflict theory of social change, social change, modernization and progress, democratization, equality and social justice, social reconstruction.

**खण्ड - II : भारतीय समाज  
(Section-II : Indian Society)**

1. **भारतीय समाज-** पारम्परिक हिन्दू सामाजिक संगठन की विशेषताएँ, विभिन्न समय के सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन, भारतीय समाज पर बौद्ध, इस्लाम तथा आधुनिक पश्चिम का प्रभाव, निरन्तरता और परिवर्तन के कारक तत्व।

**Indian Society-** Characteristics of traditional Hindu social organization, socio-cultural changes of different times, influence of Buddhism, Islam and modern West on Indian society, factors of continuity and change.

2. **सामाजिक स्तरीकरण-** जाति व्यवस्था एवं इसके रूपान्तरण, जाति के संदर्भ में आर्थिक संरचनात्मक एवं सांस्कृतिक मत, जाति प्रथा की उत्पत्ति, हिन्दू एवं गैर-हिन्दू जातियों में असमानता एवं सामाजिक न्याय की समस्याएँ, जाति गतिशीलता, जातिवाद, पिछड़ी जाति बनाम पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अस्पृश्यता, अनुसूचित जातियों में परिवर्तन, अस्पृश्यता का उन्मूलन, औद्योगिक एवं कृषि प्रधान समाज की वर्ग संरचना, मण्डल कमीशन एवं सुरक्षा नीति के अन्तर्गत बिहार के अन्तर्जातीय सम्बन्धों के बदलते झुकाव।

**Social stratification-** Caste system and its transformations, Economic, structural and cultural views with respect to caste, Origin of caste system, Inequality between Hindu and non-Hindu castes and problems of social justice, Caste mobility, Casteism, Backward

castes vs. Backward Class, scheduled castes and untouchability, changes in scheduled castes, abolition of untouchability, class structure of industrial and agricultural society, changing orientations of inter-caste relations of Bihar under Mandal commission and security policy.

3. **परिवार, विवाह एवं सगोत्रता-** सगोत्रता व्यवस्था में क्षेत्रीय विविधता एवं उनके सामाजिक सांस्कृतिक सह सम्बन्ध, सगोत्रता के बदलते पहलू, संयुक्त परिवार प्रणाली, इसका संरचनात्मक एवं व्यावहारिक पक्ष, इसके बदलते रूप एवं विघटन, विभिन्न नृजातिक समूहों, आर्थिक एवं जाति वर्गों में विवाह, भविष्य में उनके बदलते प्रकृति, परिवार एवं विवाह पर कानून तथा सामाजिक-आर्थिक, परिवर्तनों का पड़ते प्रभाव, पीढ़ी, अन्तराल एवं युवा असन्तोष, महिलाओं की बदलती स्थिति, महिला एवं सामाजिक विकास, बिहार में अन्तर्जातीय विवाह, कारण एवं परिणाम।
- Family, marriage and kinship-** regional diversity in kinship system and their socio-cultural co-relationship, changing aspects of kinship, joint family system, its structural and practical aspects, its changing forms and disintegration, various ethnic groups, economic and caste classes In marriage, their changing nature in future, laws and socio-economic effects on family and marriage, impact of changes, generation gap and youth dissatisfaction, changing status of women, women and social development, inter-caste marriage in Bihar, causes and consequences.

4. **आर्थिक प्रणाली-** यजमानी व्यवस्था एवं पारम्परिक समाज पर उसका प्रभाव, बाजार अर्थ व्यवस्था और उसके सामाजिक परिणाम, व्यवसायिक विविधिकरण एवं सामाजिक संरचना, व्यवसायिक मजदूर संघ, आर्थिक विकास के सामाजिक निर्धारक तथा उनके परिणाम, आर्थिक असमानताएँ, शोषण और भ्रष्टाचार, बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के कारण, बिहार के आर्थिक विकास की सम्भाव्यता, बिहार के सन्दर्भ में आर्थिक वृद्धि एवं सामाजिक विकास के सह-सम्बन्ध।
- Economic system-** Host system and its effect on traditional society, Market economy and its social consequences, Occupational diversification and social structure, Professional trade unions, Social determinants of economic development and their consequences, Economic inequalities, Exploitation and Corruption, Bihar Reasons



for the economic backwardness of Bihar, the potential for economic development of Bihar, the correlation between economic growth and social development in the context of Bihar.

5. **राजनीतिक व्यवस्था**- पारम्परिक समाज में प्रजातांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार्य, राजनीतिक दल एवं उनकी सामाजिक संरचना, राजनीतिक सभ्रान्त वर्ग की उत्पत्ति एवं उनका सामाजिक लगाव, शक्ति का विकेन्द्रीकरण, राजनीतिक भागीदारी, बिहार में मतदान का स्वरूप, बिहार के मतदान प्रणाली में जाति समुदाय एवं आर्थिक कारकों की अनुरूपता, इसके बदलते आयाम, भारतीय नौकरशाही का प्रकार्य, अकार्य एवं विशेषता, भारत में नौकरशाही एवं राजनीतिक विकास, जनप्रभुसत्ता समाज, भारत में जन-आन्दोलन के सामाजिक एवं राजनीतिक श्रोत।

**Political system**- Functions of democratic political system in traditional society, political parties and their social structure, origin of political elite and their social attachment, decentralization of power, political participation, nature of voting in Bihar, voting system in Bihar Compatibility of caste, community and economic factors, its changing dimensions, functions, functions and features of Indian bureaucracy, bureaucracy and political development in India, sovereign society, social and political sources of mass movement in India.

6. **शिक्षा व्यवस्था**- पारम्परिक एवं आधुनिक के सन्दर्भ में समाज एवं शिक्षा, शैक्षणिक असमानताएँ एवं परिवर्तन, शिक्षा एवं सामाजिक गतिशीलता, महिलाओं की शिक्षा की समस्याएँ, पिछड़े वर्ग एवं अनुसूचित जातियों, बिहार में शैक्षणिक पिछड़ेपन के कारण, बिहार में अनियोजित रूप से पनपते संस्थाओं के प्रकार्य एवं अकार्य पक्ष। बिहार में उच्च शिक्षा की समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ, नई शिक्षा नीतियाँ, जन शिक्षा।

**Education system**- society and education, educational inequalities and changes, education and social mobility, problems of women's education, backward classes and scheduled castes, due to educational backwardness in Bihar, unplanned in Bihar in the context of traditional and modern Functions and non-functional aspects of thriving institutions. Problems and prospects of higher education in Bihar, new education policies, mass education.

7. **धर्म**- जनसंख्यात्मक परिमाण, भौगोलिक वितरण एवं पड़ोस, प्रमुख धार्मिक समुदायों के जीवन शैली, अन्तर्धार्मिक अन्तःक्रियाएँ एवं धर्म परिवर्तन के रूप में इनका प्रकाशन, अल्पसंख्यक के स्तर, संचार एवं धर्मनिरपेक्षता, भारत के जाति व्यवस्था पर विभिन्न धार्मिक आंदोलनों का बौद्ध-जैन-ईसाई-इस्लाम वृहत् समाज एवं आर्य समाज के आन्दोलनों के प्रभाव, बिहार में पश्चिमीकरण एवं आधुनिकीकरण, संयुक्त एवं अलगाव सम्बन्धी कारक, भारतीय सामाजिक संगठन पर धर्म एवं राजनीति के बढ़ते अन्तर्सम्बन्ध का प्रभाव।

**Religion** - Population volume, geographical distribution and neighborhood, lifestyle of major religious communities, inter-religious interactions and their publication in the form of conversion, level of minority, communication and secularism, Buddhism of various religious movements on caste system of India- Effects of Jain-Christian-Islam Great Samaj and Arya Samaj movements, Westernization and modernization in Bihar, factors related to joint and separation, effect of increasing interrelationship of religion and politics on Indian social organization.

8. **जन-जाति समाज**- भारत के प्रमुख जनजाति समुदाय, उनकी विशिष्ट विशेषताएँ, जन-जाति एवं जाति, इनका सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं एकीकरण, बिहार की जन-जातियों की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक समस्याएँ, जन-जाति कल्याण के विभिन्न विचारधाराएँ, उनके संवैधानिक एवं राजकीय सुरक्षा, भारत में जन-जाति आन्दोलन, ताना भगत आन्दोलन, बिरसा आन्दोलन एवं झारखंड आन्दोलन, जन-जाति के विकास में उनका महत्वपूर्ण स्थान।

**Tribal Society** - Major tribal communities of India, their distinctive features, tribes and castes, their cultural exchange and integration, social, economic and political problems of the tribes of Bihar, for tribal welfare. Different ideologies, their constitutional and state security, tribal movement in India, Tana Bhagat movement, Birsa movement and Jharkhand movement, their important place in the development of tribes.

9. **ग्रामीण समाज व्यवस्था एवं सामुदायिक विकास**- ग्रामीण समुदाय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयाम, पारम्परिक शक्ति संरचना, प्रजातंत्रीकरण एवं नेतृत्व, गरीबी, ऋणग्रस्तता एवं बंधुआ मजदूरी, भूमि सुधार

के परिणाम, सामुदायिक विकास योजना कार्यक्रम तथा अन्य नियोजित विकास कार्यक्रम तथा हरित क्रांति, ग्रामीण विकास की नई नीतियाँ।

**Rural Social System and Community Development-** Social and Cultural Dimensions of Rural Community, Traditional Power Structure, Democratization and Leadership, Poverty, Indebtedness and Bonded Labor, Consequences of Land Reforms, Community Development Plan Programs and other Planned Development Programs and Green Revolution New policies for rural development.

10. **शहरी सामाजिक संगठन-** सामाजिक संगठन के पारम्परिक कारकों; जैसे- संगोत्रता जाति और धर्म की निरन्तरता एवं उनके परिवर्तन शहर के सन्दर्भ में, शहरी समुदायों में सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता, नृजातिक अनेकता एवं सामुदायिक एकीकरण, शहरी पड़ोसदारी, जनसांख्यिकी एवं सामाजिक-सांस्कृतिक लक्षणों में शहर तथा गाँव में अन्तर तथा उनके सामाजिक परिणाम।

**Urban Social Organization-** Traditional factors of social organization; Such as kinship, continuity of caste and religion and their changes in the context of the city, social stratification and mobility in urban communities, ethnic diversity and community integration, urban neighbourhood, differences between cities and villages in demographic and socio-cultural features and their social consequences.

11. **जनसंख्या गतिकी-** जनसंख्या वृद्धि सम्बन्धी सिद्धान्त- माल्थस, जैविकीय जनसांख्यिकीय परिवर्तन, सर्वाधिक जनसंख्या, जनसंख्या संरचना के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष (लिंग, उम्र, वैवाहिक स्तर), जन्म दर, मृत्यु दर एवं स्थानान्तरण के कारक, भारत में जनसंख्या नीति की आवश्यकता, जनाधिक्य एवं अन्य निर्धारक तथ्य, जनाधिक्य के सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक निर्धारक एवं भारत में परिवार नियोजन प्रक्रिया की अस्वीकृति में इनकी भूमिका, प्रथम से अष्टम पंचवर्षीय योजनाओं में परिवार नियोजन कार्यक्रम का स्थान, जनसंख्या शिक्षा, अवधारणा, उद्देश्य, पक्ष, साधन एवं जनसंख्या शिक्षा की यत्र कला।

**Population Dynamics-** Theories of Population Growth - Malthus, Biological Demographic Change, Majority Population, Socio-cultural aspects of population structure (sex, age, marital status), birth rate, death rate and factors of migration, Population policy in India need, population and other determinant facts, social, cultural and economic determinants of population and their role in rejection of family planning process in India, place of family planning program in first to eighth five year plans, population education, concept, objectives, aspects, Means and the art of population education.

12. **सामाजिक परिवर्तन एवं आधुनिकीकरण-** भूमिका, संघर्ष की समस्या, युवा असंतोष, पीढ़ियों का अन्तर, महिलाओं की बदलती स्थिति, सामाजिक परिवर्तन के प्रमुख स्रोत एवं परिवर्तन के प्रतिरोधी तत्वों के प्रमुख स्रोत, पश्चिम का प्रभाव, सुधारवादी आंदोलन, सामाजिक आंदोलन, औद्योगीकरण एवं शहरीकरण, दबाव समूह, नियोजित परिवर्तन के तत्व, पंचवर्षीय योजनाएँ, विधायी एवं प्रशासकीय उपाय-परिवर्तन की प्रक्रिया- सांस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण और आधुनिकीकरण, आधुनिकीकरण के साधन, जनसम्पर्क साधन एवं शिक्षा, परिवर्तन एवं आधुनिकीकरण की समस्या, संरचनात्मक विसंगतियाँ और व्यवधान, वर्तमान सामाजिक दुर्गुण- भ्रष्टाचार और पक्षपात, तस्करी-कालाधन।

**Social Change and Modernization-** Role, Problem of conflict, Youth dissatisfaction, Generation gap, Changing status of women, Major sources of social change and main sources of resistance to change, Influence of the West, Reformist movement, Social movement, Industrialization and Urbanization, Pressure Groups, Elements of Planned Change, Five Year Plans, Legislative and Administrative Measures - Process of Change - Sanskritisation, Westernization and Modernization, Means of Modernization, Public Relations Means and Education, Problem of Change and Modernization, Structural Anomalies and Disruptions Current social evils- corruption and favoritism, smuggling-black money.